भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3307
दिनांक 20.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

3307. श्री राजीव रायः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) क्या सरकार उत्तर प्रदेश के मऊ जिले सहित सभी गांवों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में मऊ जिले सहित सभी गांवों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य को कब तक प्राप्त किए जाने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क): सरकार ने 2 अक्टूबर, 2014 से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम(जी)] शुरू किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय प्रदान करके 2 अक्टूबर, 2019 तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना था। उत्तर प्रदेश सहित देश के सभी गांवों ने पहले ही 2.10.2019 तक स्वयं को ओडीएफ घोषित कर दिया था। ओडीएफ के परिणाम प्राप्त करने के बाद, एसबीएम (जी) के चरण II को 2020-21 से 2025-26 की अवधि के दौरान ओडीएफ स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने और सभी गांवों को ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में शामिल करने अर्थात् गांवों को ओडीएफ प्लस (मॉडल) में परिवर्तित करने के लिए लागू किया जा रहा है। यह स्कीम उत्तर प्रदेश सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है। उत्तर प्रदेश के 96,174 गांवों में से अब तक 94,323 गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस (उदीयमान-7,605, उज्ज्वल-530, उत्कृष्ट-86,188) घोषित किया गया है।

(ख) से (घ): मऊ जिले सहित उत्तर प्रदेश के सभी गांवों ने 2.10.2019 को खुद को खुले में शौच मुक्त घोषित कर दिया था।

*****